भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

राज्यर सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3657 जिसका उत्तसर

सोमवार, 3 **अप्रैल**, **2017/13 चैत्र**, **1939 (शक) को दिया जाना है**

देश में नदी परिवहन

3657. डॉ. विनय पी. सहस्त्रीबुद्धे :

क्याा **पोत परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्याह यह सच है कि सरकार ने गंगा नदी के माध्ययम से माल परिवहन और यात्री यातायात की सुविधा हेतु योजनाएं बनाई है, यदि हां, तो तत्सं बंधी ब्यौ रा क्या; और

(ख) क्याा अन्यय नदियों के माध्य्म से भी इसी प्रकार के नदी जल परिवहन हेतु कोई संभाव्युता अध्यायन प्रारंभ किया गया है, यदि हां, तो तत्संमबंधी ब्यौीरा क्या है

उत्तरर

पोत परिवहन राज्य मंत्री

(श्री मनसुख एल. मंडाविया)

(क) और (ख): जी हां। 2000 डीडब्यूं□□□टी तक के जलयानों की आवाजाही संभव करने के लिए 5369 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत में वर्ल्ड बैंक की तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ हल्दिहया से वाराणसी एनडब्यू□□□-1 (गंगा) की क्षमता बढ़ाने के लिए जलमार्ग विकास परियोजना का कार्यान्वीयन किया जा रहा है। इस परियोजना में फेयरवे विकास नौचालन सहायता नदी सूचना तंत्र वाराणसी , साहिबगंज और हल्दियया में बहुउद्देशीय टर्मिनलों का निर्माण, फरक्का में नए नैविगेशनल लॉक का निर्माण, बैंक प्रोटेक्शयन कार्य, एलएनजी बंकरिंग सुविधाएं, एलएनजी फ्यूल्डव जलयान इत्याीदि शामिल हैं।

सरकार ने 111 राष्ट्री□य जलमार्गों की घोषणा की है जिसमें रेल और सड़क के परिवहन के अनुपूरक मॉड के रूप में अंतर्देशीय जल परिवहन को प्रोत्सालहित करने के लिए राष्ट्रीीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अंतर्गत पूर्व घोषित 5 राष्ट्री□य जलमार्ग भी शामिल हैं। 106 राष्ट्री□य जलमार्गों के लिए व्यरवहार्यता अध्यजयनों की स्थि ति इस प्रकार है:-

श्रेणी-।: 8 राष्ट्री□य जलमार्गों के लिए विस्तृ0त परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बराक (एनडब्यूय□□□-16), घरा (एनडब्यू□□□□-40), गंडक (एनडब्यू□□□-37), कोसी (एनडब्यूट□□□-58), मांडोवी (एनडब्यूथ□□□-68), वारी (एनडब्यूय□□□-111), बरजुआ नहर (एनडब्यूअ□□□-27) और सुंदरबन (एनडब्यूी□□□-97) तैयार है। इन विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर , बराक नदी (एनडब्यूअ□□□-16) में फेयरवे विकास कार्य सौंप दिया गया है।

श्रेणी-।।: 46 राष्ट्री□य जलमार्ग जो तटीय क्षेत्रों में है और जिनमें कुछ ज्वा□रीय जलखंड हैं , उन्हें। इस श्रेणी में विकसित किए जाने के लिए विचार किया जा रहा है। इन सभी राष्ट्री□य जलमार्गों के लिए दो स्तकरीय अध्यायन करा लिया गया है और व्यववहार्यता रिपोर्ट प्राप्तल हो गई है। स्त र-। व्यअवहार्यता रिपोर्टों के आउटकम के आधार पर विस्तृयत परियोजना रिपोर्ट को 24 राष्ट्री□य जलमार्गों के लिए तैयार किया जा रहा है।

श्रेणी-।।।: शेष 52 राष्ट्री□य जलमार्गों को जो सुदूर दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों में है उन्हेंक इस श्रेणी में रखा गया है और प्रारंभिक रूप से इन सभी राष्ट्री□य जलमार्गों के लिए केवल व्यवहार्यता अध्यायनों को सौंप दिया गया।

*****